DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY

CIRCULAR NO.ACAD/NP/Arts/M.A.-Ist Yr./SEM.-I & II/176/2013

It is hereby notified for information of all concerned that, the syllabi prepared by the Boards of Studies & Ad-hoc Board under the Faculty of Arts, the Hon'ble Vice-Chancellor has accepted the **following revised syllabi for M.A. First Year Semester-I & II** on behalf of the **Academic Council Under Section-14[7] of the Maharashtra Universities Act, 1994** ***as appended herewith.***

Sr. No.	Revised Syllabus	
[1]	M.A. [Hindi]	Semester- I & II,
[2]	M.A. [Sanskrit]	Semester- I & II,
[3]	M.A. [Urdu and Arabic]	Semester- I & II.

This is effective from the **Academic Year 2013-2014** and onwards.

These **syllabi are available on the University Website www.bamu.net**

All concerned are requested to note the contents of this circular and bring the notice to the students, teachers and staff for their information and necessary action.

University Campus,
Aurangabad-431 004.
REF.NO.ACAD/NP/ARTS/IST YEAR/
Sem-I & II/2013/12410-82
V.C.14[7] A-05.

Date:- 07-06-2013.

Director,
Board of College and
University Development.

******

Copy forwarded with compliments to :-

1] **The Principals, affiliated concerned Colleges, Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University.**

2] The Director, University Network & Information Centre, UNIC, with **a request to upload the above all syllabi on University Website [www.bamu.net].**

Copy to :-

1] The Controller of Examinations,
2] The Superintendent, [M.A. Unit],
3] The Superintendent, [Eligibility Unit],
4] The Programmer [Computer Unit-1] Examinations,
5] The Programmer [Computer Unit-2] Examinations,
6] The Director, [E-Suvidha Kendra], in-front of Registrar's Quarter, Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University,
7] The Public Relation Officer,
8] The Record Keeper,

Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University.

-=**=-

Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.

Syllabus of

M.A. First Year

HINDI

Semester-I & II

(Effective from the Academic Year 2013– 2014 & onwards)

Dr. S.K. Bhandare

M.A. Hindi - Ist Year

Semester - I

बीज प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र-१	आदि तथा मध्यकालीन काव्य का इतिहास
	प्रश्नपत्र-२	भारतीय साहित्यशास्त्र
	प्रश्नपत्र-३	भक्तिकालीन काव्य
वैकल्पिक प्रश्नपत्र : साहित्यवर्ग	प्रश्नपत्र-४	स्वतंत्रतापूर्व गद्य साहित्य
	प्रश्नपत्र-४	उपन्यास साहित्य
	प्रश्नपत्र-४	स्वतंत्रतापूर्व नाटक एवं एकांकी साहित्य
Semester - II		
बीज प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र-५	आधुनिक साहित्य का इतिहास
	प्रश्नपत्र-६	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र
	प्रश्नपत्र-७	रीतिकालीन काव्य
वैकल्पिक प्रश्नपत्र : साहित्यवर्ग	प्रश्नपत्र-८	स्वातंत्र्योत्तर गद्य साहित्य
	प्रश्नपत्र-८	कहानी साहित्य
	प्रश्नपत्र-८	स्वातंत्र्योत्तर नाटक एवं एकांकी साहित्य

एम.ए. हिंदी : प्रथम वर्ष

प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र-१ - आदि तथा मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास

◆ **उद्देश्य :**

१. साहित्येतिहास लेखन तथा उसकी परम्परा का अध्ययन

२. साहित्य और युग - बोध के संबंधों का अध्ययन

३. साहित्य अध्ययन की ऐतिहासिक दृष्टि का विकास

◆ **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :**

१. व्याख्यान

२. दृक श्रव्य साधनों का प्रयोग

३. गोष्ठी, परिचर्चा एवं स्वाध्याय

४. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

◆ **पाठ्यांश :**

१. इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास परंपरा :
इतिहास से तात्पर्य, साहित्येतिहास की अवधारणा एवं स्वरूप, साहित्येतिहास और साहित्य विकास के सिद्धांत, हिंदी साहित्येतिहास की आधारभूत सामग्री, हिंदी साहित्येतिहास लेखन : परम्परा और प्रयोग

२. हिंदी साहित्य का आदिकाल :

पृष्ठभूमि, सिद्ध, नाथ, जैन, रासो तथा शृंगार काव्यधारा का प्रवृत्यात्मक परिचय प्रतिनिधि रचनाकार - सरहप्पा, शालिभद्र सूरि, गोरखनाथ, चंदबारदायी, नरपतिनाल्ह अमीर खुसरो, विद्यापती

३. भक्तिकाल :

पृष्ठभूमि, भक्ति-काव्य उद्‌भावना की विभिन्न मान्यताएँ

४. ज्ञानमार्गी काव्यधारा :

सन्तकाव्य, प्रवृत्यात्मक अध्ययन, सूफीकाव्य, प्रवृत्यात्मक अध्ययन, प्रतिनिध रचनाकार, कबीर, नानक, जायसी

५. सगुण काव्य धारा :

रामकाव्य तथा कृष्ण काव्य : प्रवृत्यात्मक अध्ययन प्रतिनिधि रचनाकार : तुलसीदास, सूरदास

६. रीतिकाल :

पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त काव्यधारा का प्रवृत्यात्मक अध्ययन, प्रतिनिधि रचनाकार - केशवदास, देव, बिहारी, नृपशंभु, भूषण, घनानंद

◆ **पाठ्यपुस्तकें :**

१. हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेंद्र, मयुर पेपर बैक्स, नोएडा

२. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर

◆ **संदर्भ ग्रंथ :**

१. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

२. हिंद साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

३. हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

४. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

५. हिंदी साहित्य का अतीत - डॉ. विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली (भाग १-२)

६. हिंदी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र-२ - भारतीय साहित्यशास्त्र

◆ **उद्देश्य :**

१. भारतीय साहित्य चिंतन का परिचय

२. समीक्षात्मक दृष्टि का विकास

३. साहित्य सृजन, आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास

◆ **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :**

१. व्याख्यान

२. गोष्ठी, चर्चा तथा स्वाध्याय

३. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग

४. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

◆ **पाठ्यांश :**

१. रस सिद्धांत :

रस का स्वरूप, भरत का रस-सूत्र, तथा लोलट, शंकूक, भट्ट नायक और अभिनव गुप्त की रस-सत्र व्याख्या, रस निष्पति

२. अलंकार सिद्धांत :

अलंकार-चिंतन की परम्परा, अलंकार : स्वरूप, महत्त्व एवं वर्गीकरण

३. रीति सिद्धांत :

रीति से तात्पर्य, वामन के रीतिविषयक विचार, रीति के आधारभूत तत्त्व, रीति-भेद

४. ध्वनि सिद्धांत :

ध्वनि से तात्पर्य, ध्वनि-चिंतन की परम्परा और आनंदवर्धन, ध्वनि के प्रमुख भेद, ध्वनि के आधार पर काव्य के भेद

५. वक्रोक्ति सिद्धांत :

वक्रोक्ति से तात्पर्य, वक्रोक्ति चिंतन की परम्परा, कुंतक के वक्रोक्ति-विचार, वक्रोक्ति के प्रमुख - भेद

६. औचित्य सिद्धांत :

औचित्य से तात्पर्य, औचित्न चिन्तन की परम्परा, आनंदवर्द्धन के औचित्य विचार, आ. क्षमेंद्र के औचित्य विचार, औचित्य का महत्त्व तथा औचित्य के अंग (तत्त्व)

◆ **पाठ्यपुस्तकें :**

१. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

२. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

◆ **संदर्भ ग्रंथ :**

१. विश्व साहित्यशास्त्र - सं. डॉ. नगेंद्र, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

२. संस्कृत साहित्य का इतिहास - सेठ कन्हैयालाल पोद्दार, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

३. रस सिद्धांत - डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली

४. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्याय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

५. भारतीय काव्यशास्त्र - तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र - ३ भक्तिकालीन काव्य

◆ **उद्देश्य :**

१. भक्तिकालीन कविता की पृष्ठभमि का अध्ययन

२. सगुण-निर्गुण काव्यधारा की विशेषताओं का अध्ययन

३. भारतीय संस्कृत के उत्थान में भक्तिकाव्य के योगदान का अध्ययन

◆ **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :**

१. व्याख्यान पद्धति

२. शिक्षक-छात्र संवाद पद्धति

३. संगोष्ठी-चर्चासत्रों का आयोजन

४. विशेषज्ञों के व्याख्यान

◆ **पाठ्यांश :**

१. भक्तिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि :
ज्ञानमार्गी तथा सगुण भक्तिकाव्य

२. कबीर :

साहित्य, भक्ति भावना, समाज दर्शन, विद्रोह-भावना, काव्यकला

३. सूरदास :
साहित्य, भक्तिभावना, वात्सल्य, काव्यकला

४. सूरदास :

भ्रमरगीत : संवेदना और शिल्प

५. तुलसी :
साहित्य, लोकमंगल, सामाजिक सांस्कृतिक दृष्टि

६. तुलसी :
रामचरितमानस : कथ्य और शिल्प

◆ **पाठ्यपुस्तकें :**

१. कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
(संसंदर्भ के लिए पद, दोहा क्र. १६० से २०९ तक)

२. भ्रमरगीत : सं. रामचंद्र शुक्ल : लोकभारती प्रकाशन
(संसंदर्भ के लिए पद, दोहा क्र. २१ से ७० तक)

३. रामचरित मानस : तुलसीदास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(संसंदर्भ के लिए उत्तरकांड)

◆ **संदर्भ ग्रंथ :**

१. भक्तिकाव्य यात्रा - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

२. कबीर, सूर, तुलसी - डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

३. सूरदास - आ. रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

४. गोस्वामी तुलसीदास - आ. रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

५. तुलसीदास - डॉ. रामचंद्र तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

६. भक्ति आंदोलन का : इतिहास और संस्कृति - डॉ. कुँवरपाल सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

७. कबीर और भारतीय संत साहित्य - डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

८. भ्रमरगीत एक मूल्यांकन - हरिश्चंद्र शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

९. तुलसी साहित्य : विवेचन और मूल्यांकन - देवेंद्र शर्मा, वचन देव कुमार, नेशनल पब्लिसिंग हाउस नई दिल्ली

१०. मैला आँचल की रचना प्रक्रिया - देवेश ठाकुर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

वैकल्पिक प्रकाशन : साहित्यवर्ग

प्रश्नपत्र-४ - स्वतंत्रतापूर्व गद्य साहित्य

◆ **उद्देश्य :**

१. स्वतंत्रता पूर्व गद्य साहित्य की परम्परा का परिचय

२. कहानी, नाटक तथा निबंध विधा का अध्ययन

३. साहित्य आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास

◆ **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :**

१. व्याख्यान पद्धति

२. गोष्ठी, परिचर्चा तथा स्वाध्याय

३. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग

४. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

◆ **पाठ्यांश :**

१. स्वतंत्रतापूर्व कहानी साहित्य और प्रेमचंद

२. प्रेमचंद : प्रतिनिधि कहानी संकलन की कहानियों की संवेदना और शिल्प

३. स्वतंत्रतापूर्व नाट्य साहित्य और जयशंकर प्रसाद

४. चंद्रगुप्त नाटक की संवेदना और नाट्यशिल्प

५. स्वतंत्रतापूर्व कथेत्तर गद्य साहित्य और महादेवी

६. शृंखला की कड़ियाँ के निबंध में व्यक्त विचार और शिल्प विधान

◆ **पाठ्यपुस्तकें :**

१. प्रेमचंद : प्रतिनिधि कहानियाँ - सं. भीष्म साहनी, राजकमल पेपर बैक्स, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
(पाठ्यक्रम में समाविष्ट कहानियाँ : बड़े भाई साहब, पूस की रात, नमक का दरोगा, सवा सेर गेहूँ, शतरंज के खिलाड़ी, आत्माराम, ठाकूर का कुआँ, सद्‌गति, पंच, परमेश्वर, कफन)

२. चंद्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

३. शृखंला की कड़िया - महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
(समाज और व्यक्ति तथा जीने की कला को छोड़कर शेष निबंध)

◆ **संदर्भ ग्रंथ :**

१. प्रेमचंद कहानी का रहनुमा - डॉ. जाफर रजा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

२. कहानीकार प्रेमचंद - रचना दृष्टि और रचना शिल्प - शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

३. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन - जगन्नाथ प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

४. नाट्यालोचन - डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर

५. हिंदी निबंध के सौ वर्ष - डॉ. उपाध्याय, लिपि प्रकाशन, मोहसाणा

अथवा

प्रश्नपत्र- ४ उपन्यास साहित्य

◆ **उद्देश्य :**

१. हिंदी उपन्यास साहित्य का विकासात्मक अध्ययन

२. उपन्यास : आस्वाद तथा आलोचन क्षमता का विकास

३. हिंदी उपन्यास और युग - बोध की परख

◆ **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :**

१. व्याख्यान पद्धति

२. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग

३. गोष्ठी, चर्चा तथा स्वाध्याय

४. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

◆ **पाठ्यांश :**

१. हिंदी उपन्यास और प्रेमचंद

२. गोदान और भारतीय किसान, गोदान में गाँव और शहर, महाकाव्यात्मक उपन्यास की परिकल्पना, गोदान के मुख्य - चरित्र, गोदान में यथार्थ और आदर्श, गोदान का शिलप

३. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास और हजारीप्रसाद द्विवेदी

४. बाणभट्ट की आत्मकथा, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आधुनिकता, निपुणिता और नारी मुक्ति की आकांक्षा, प्रमुख चरित्र, शिल्प-विधान, भाषा-सौष्ठव

५. आँचलिक उपन्यास और फणीश्वरनाथ रेणू

६. मैला आँचल : वस्तु विन्यास और शिल्प, लोकसंस्कृति और भाषा, ग्राम जीवन में होनेवाले आर्थिक-राजनैतिक परिवर्तन और सामाजिक गतिशीलता का चित्रण, प्रमुख चरित्र

◆ **पाठ्यपुस्तकें :**

१. गोदान - प्रेमचंद, सुमित्रा प्रकाशन, इलाहाबाद
२. बाणभट्ट की आत्मकथा - हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
३. मैला आँचल - फणीश्वरनाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

◆ **संदर्भ ग्रंथ :**

१. गोदान : संवेदना और शिल्प - डॉ. चंद्रशेखर कर्ण, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

२. प्रेमचंद के उपन्यासों में चित्रित समस्याएँ - डॉ. एम.विमला, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

३. हिंदी उपन्यासों के सौ वर्ष - सं. डॉ. रामदरश मिश्र, गिरनार प्रकाशन, मेहसाना

४. हिंदी उपन्यासों में सामाजिक चेतना - लालसाहब सिंह, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

५. हिंदी के आँचलिक उपन्यास - डॉ. विद्याधर द्विवेदी, चिंतन प्रकाशन, कानपूर

६. आँचलिक उपन्यासों में ग्राम्यजीवन - डॉ. उत्तमभाई पटेल, क्वालिटी बुक्स, कानपूर

७. उपन्यास : स्थिति और गति, चंद्रकांत बांदिवडेकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

८. हिंदी के श्रेष्ठ उपन्यास और उपन्यासकार - डॉ. द्वारिका सक्सेना, विश्वभारती पब्लिकेशन, दिल्ली

९. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास - डॉ. रामगोपाल चौहान, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

१०. फणीश्वरनाथ रेणु - व्यक्तित्त्व एवं कर्तृत्व, डॉ. हरिशंकर दुबे

११. मैला आँचल की रचना प्रक्रिया - देवेश ठाकूर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

अथवा

प्रश्नपत्र- ४ - स्वतंत्रतापूर्व नाटक साहित्य

◆ **उद्देश्य :**

१. स्वतंत्रतापूर्व हिंदी नाटक एवं रंगमंच का अध्ययन

२. नाट्यास्वादन तथा नाट्य - मूल्यांकन क्षमता का विकास

३. स्वतंत्रतापूर्व जन संवेदना का नाट्य साहित्य द्वारा परिचय

◆ **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :**

१. व्याख्यान पद्धति

२. नाट्य-मंचन और प्रदर्शन

३. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग

४. गोष्ठी, परिचर्चा का आयोजन

५. नाट्य समीक्षा का अभ्यास

◆ **पाठ्यांश :**

१. स्वतंत्रतापूर्व नाटक तथा रंगमंच का विकासक्रम

२. भारतेंदु हरिश्चंद्र का नाट्य-साहित्य

३. अंधेर नगरी - संवेदना और रंगशिल्प

४. जयशंकर प्रसाद का नाट्य साहित्य

५. स्कंदगुप्त : संवेदना और रंगशिल्प

६. लक्ष्मीनारायण मिश्र का नाट्य-साहित्य, वितस्ता की लहरें : संवेदना और शिल्प

◆ **पाठ्यपुस्तकें :**

१. अंधेर नगरी - भारतेंदु हरिश्चंद्र, लोकभारती प्रकाशन, सं. परमानंद श्रीवास्तव
२. स्कंदगुप्त - जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
३. वितस्ता की लहरें - लक्ष्मीनारायण मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

◆ **संदर्भ ग्रंथ :**

१. भारतेंदु युगीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - डॉ. कमला कानोडिया, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
२. भारतेंदु के नाटकों का शास्त्रीय अनुशीलन - गोपीनाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
३. भारतेंदु हरिश्चंद्र - डॉ. लक्ष्मीसागर वैष्णव, साहित्यभवन प्रा.लि. इलाहाबाद
४. प्रसाद के नाटक :रचना और प्रक्रिया, डॉ. जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव, साहित्यभवन प्रा.लि. इलाहाबाद
५. जयशंकर प्रसाद और लक्ष्मीनारायण मिश्र के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन - शशी शेखर नैथानी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
६. नाट्यालोचन - डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर
७. नाटककार जयशंकर प्रसाद - सं. सत्येनकुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
८. समस्या नाटककार लक्ष्मीनारायण मिश्र, डॉ. कर्णसिंह भाटी : तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

एम.ए. हिंदी : प्रथम वर्ष

द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र- ५ - आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

◆ **उद्देश्य :**

१. आधुनिक हिंदी साहित्य की परंपरा का अध्ययन

२. इतिहास-बोध का अध्ययन

३. ऐतिहासिक आलोचना का अध्ययन

४. साहित्य और युगबोध के अंतरसंबंधों का अध्ययन

◆ **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :**

१. व्याख्यान

२. दृक-श्रव्य साधनां का प्रयोग

३. गोष्ठी, चर्चा तथा स्वाध्याय

◆ **पाठ्यांश :**

१. आधुनिककाल, पृष्ठभूमि, भारतेंदु तथा महावीर प्रसाद द्विवेदी युगीन काव्य - प्रतिनिधि रचनाकार : भारतेंदु, अंबिकादत्त व्यास, आयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔंध, मैथिलीशरण गुप्त

२. स्वच्छंदतावादी कविता : पृष्ठभूमि, छायावादी काव्य, राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा, हालावादी काव्यधारा, प्रतिनिधि कवि - प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी, बालकृष्ण शर्मा नवीन, दिनकर, बच्चन

३. प्रगतिवादी -प्रयोगवादी तथा नयी कविता, पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ : प्रतिनिधि कवि - केदारनाथ अग्रवाल, नागार्जुन, अज्ञेय, भारती, मुक्तिबोध, रघुवीर सहाय, शमशेर, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

४. साठोत्तरी तथा समकालीन कविता : पृष्ठभूमि प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवि : धूमिल, केदारनाथ सिंह, राजेश जोशी, उदय प्रकाश

५. गद्य विधा का विकास : कहानी, उपन्यास, नाटक, तथा निबंध, ललित निबंध

६. गद्य विधा का विकास : जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, व्यंग्य

◆ **पाठ्यपुस्तकें :**

१. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र, मयुर पेपर बैक्स, नोएडा

२. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर

◆ **संदर्भ ग्रंथ :**

१. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ.रणसुभे, विकास प्रकाशन, कानपुर

२. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

३. हिंदी सहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

४. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. सभापति मिश्र, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

प्रश्नपत्र- ६ - पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

◆ **उद्देश्य :**

१. पाश्चात्य साहित्य चिंतन का परिचय

२. अद्यतन आलोचना दृष्टि का अध्ययन

३. साहित्य सृजन, आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास

◆ **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :**

१. व्याख्यान

२. गोष्ठी, परिचर्चा तथा स्वाध्याय

३. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग

४. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

◆ **पाठ्यांश :**

१. अरस्तू के काव्य - सिद्धांत, अरस्तू का परिचय, अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी सिद्धान्त

२. लौंजाइन्स के काव्य सिद्धान्त : लौंजाइन्स का परिचय, उदात्त से तात्पर्य, उदात्त का काव्य में महत्त्व, उदात्त के अंतरंग, बहिरंग तथा अवरोधक तत्त्व

३. विलियम वर्डस्वर्थ के काव्य - विचार : वर्डस्वथ का परिय, वर्डस्वर्थ के कवि, काव्य, काव्य-प्रयोजन, काव्य विषय, तथा काव्य-भाषा विषयक विचार

४. टी.एस. इलियट के काव्य - सिद्धांत, इलियट परिचय, इलियट का क्लासिकवाद, परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असहचर्य

५. प्रमुखवाद - अभिव्यंजनावाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकता, विखण्डनवाद

६. प्रमुख आलोचना दृष्टियाँ : मार्क्सवादी, मनोवैज्ञानिक शैली, वैज्ञानिक नयी समीक्षा

◆ **पाठ्यपुस्तकें :**

१. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - अधुनातन संदर्भ - डॉ. सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

२. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

३. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

◆ **संदर्भ ग्रंथ :**

१. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धान्त और वाद - डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

२. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा

३. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र - तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. बच्चन सिंह- हरियाणा अकादमी, पंचकुला

४. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. विजयपाल सिंह, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

५. काव्यशास्त्र तथा साहित्यलोचन - डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, ज्ञानोदय प्रकाशन, कानपुर

६. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा - डॉ. तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, कानपुर

प्रश्नपत्र-७ - रीतिकालीन काव्य

◆ **उद्देश्य :**

१. रीतिकालीन कविता की पृष्ठभूमि का अध्यन दरबारी संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में

२. रीतिकाव्य का अध्ययन

३. रीतिकाव्य की विविध धाराओं का अध्ययन

◆ **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :**

१. व्याख्यान पद्धति

२. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग

३. संगोष्ठी चर्चासत्रों का आयोजन

४. विशेषज्ञो के व्याख्यान

◆ **पाठ्यांश :**

१. रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ

२. बिहारी : सौंदर्य-भावना, बहुज्ञता, काव्यकला

३. भूषण : साहित्य, युगबोध, काव्यकला

४. भूषण - राष्ट्रीयता, देशभक्ति

५. घनानंद : साहित्य, विरह-वर्णन

६. घनानंद - स्वच्छंद योजना, प्रेम-व्यंजना, काव्यकला

◆ **पाठ्यपुस्तकें :**

१. बिहारी प्रकाश - संपा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(आरंभिक पचास दोहे)

२. भूषण - भूषण ग्रंथावली - संपा. विजयपाल सिंह, जयभारती प्रकाशन,
शिवराज भूषण - ४ से १४ तक, २५ से ३१ तक
शिवाबावजी - २ से १२ तक
श्री. छत्रसाल दशक - १ से १० तक

३. घनानंद कविता - सं. लक्ष्मणदत्त गौतम, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
(कविता १ से २० तक)

◆ **संदर्भ ग्रंथ :**

१. बिहारी का नया मूल्यांकन - डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

२. डॉ. योगेंद्र प्रतापसिंह - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

३. बिहारी सतसई : सांस्कृतिक-सामाजिक अध्ययन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

४. घनानंद का काव्य - डॉ. रामदेव शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

५. भूषण - राजमल बोरा, नेशनल पब्लिशिग हाऊस, नई दिल्ली

६. घनानंद : एक अध्ययन - रामप्रसाद, भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली

७. बिहारी : व्यक्तित्त्व एवं जीवन दर्शन - रमेशचंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली

८. महाकवि घनानंद - डॉ. राज बुद्धिराजा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

वैकल्पिक प्रश्नपत्र-साहित्यवर्ग

प्रश्नपत्र-८ - स्वातंत्र्योत्तर गद्य साहित्य

◆ **उद्देश्य :**

१. स्वातंत्र्योत्तर गद्य साहित्य परम्परा का परिचय

२. साहित्य आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास

३. रीतिकाव्य की विविध धाराओं का अध्ययन

◆ **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :**

१. व्याख्यान पद्धति

२. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग

३. संगोष्ठी चर्चासत्रों का आयोजन

४. विशेषज्ञो के व्याख्यान

◆ **पाठ्यांश :**

१. स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास साहित्य और कमलेश्वर

२. कितने पाकिस्तान : संवेदना और शिल्प

३. स्वांतत्र्योत्त्र आत्मकथा साहित्य और मन्नु भंडारी

४. एक कहानी यह भी : संवेदना और शिल्प

५. स्वातंत्र्योत्तर व्यंग्य साहित्य और हरिशंकर परसाई

६. प्रतिनिधि व्यंग्य में संकलित रचनाओं का मूल्यांकन

◆ **पाठ्यपुस्तकें :**

१. कितने पाकिस्तान - कमलेश्वर, राजपाल एण्ड सन्ज, काश्मिरी गेट, दिल्ली-६

२. एक कहानी यह भी - मन्नु भण्डारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

३. प्रतिनिधि व्यंग्य - हरिशंकर परसाई, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

(पाठ्यक्रम में सम्मलित रचनाएँ - हरिशंकर परसाई, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

(लिटरेचरन ने मारा तुम्हें, पगडण्डियों का जमाना, विकलांग श्रद्धा का दौर फिसलन, अकाल उत्सव, ठिठुरता गणतंत्र, इस्पेक्टर मातादीन चंदद, पर एक लड़की पाँच दीवाने)

◆ **संदर्भ ग्रंथ :**

१. हरिशंकर परसाई : व्यक्तित्व और कृतित्व - डॉ. मनोहद देवलिया, साहित्यवाणी, इलाहाबाद

२. हरिशंकर परसाई के व्यंग्यों में वर्ग-चेतना - डॉ. आभा भट्ट, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

३. हिंदी आत्मकथा - स्वरूप एवं साहित्य, कमलेश्वर, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली

४. कमलेश्वर : डॉ. मधुकर सिंह, शब्दकार, दिल्ली

५. कमलेश्वर के उपन्यासों में नारी - डॉ. भगवान गव्हाडे, समता प्रकाशन, कानपुर

६. उपन्यास : समय और संवेदना - डॉ. विजय बहादुरसिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

७. समकालीन हिंदी उपन्यास : समय और संवेदना - डॉ. वी.के. अब्दुल जलील, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

अथवा

प्रश्नपत्र-८ - कहानी साहित्य

◆ **उद्देश्य :**

१. बीसवीं सदी की हिंदी कहानी का परिचय

२. हिंदी कहानी और प्रमुख कहानी आंदोलनों का परिचय

३. हिंदी के प्रमुख कहानीकारों का परिचय

४. समकालीन दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श में परिचय

५. कहानी विधा का तात्विक विवेचन एवं महत्त्व

◆ **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :**

१. व्याख्यान, चर्चा

२. प्रकल्प लेखन

३. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग

४. विशेषज्ञो के व्याख्यान

◆ **पाठ्यांश :**

१. आधुनिक हिंदी कहानी का विकास

२. श्रेष्ठ महिला कथा लेखिकाओं की कहानियों का मूल्यांकन

३. दलित साहित्य : तात्पर्य एवं विकास

४. श्रेष्ठ दलित कथाकार और उनकी कहानियों का विवेचन

५. हिंदी कहानियों के अठराह कदम में संकलित कहानियों का संवेदना पक्ष

६. हिंदी कहानियों के अठराह कदम में संकलित के आधार पर हिंदी कहानी साहित्य के शिल्प-विधान का विकसात्मक अध्ययन

◆ **पाठ्यपुस्तकें :**

१. श्रेष्ठ महिला कथाकार - सं. ममता कालिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

२. छोरी, मामला आगे बढ़ेगा अभी, बन्तो, एक पेड़ की मौत, सुनंदा छोकरी की डायरी, आपकी छोटी लड़की

३. हिंदी कहानी के अठराह कदा - सं. बटरोही, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
(पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियाँ - उसने कहा था, क : पंथा, फूलों का कुरता, रोज, परिंदे, अर्द्धांगिनी, पिता, याक्षिणी प्रश्न, पॉल गोमरा का स्कूटर)

◆ **संदर्भ ग्रंथ :**

१. हिंदी कहानी : संरचना और संवेदना - डॉ. साधना शहा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

२. हिंदी कहानी का विकास - डॉ. देवेश कुमार, संकल्प प्रकाशन, मुंबई

३. नई कहानी पुनर्विचर - मधुरेश, नेशनल पब्लिशिग हाऊस, नई दिल्ली

४. अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य - सं. यादव/वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

५. स्त्रीत्त्ववादी विमर्श - समाज और साहित्य - क्षमा वमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

६. दलित विमर्श की भूमिका - कँवल भारती, इतिहास बोध प्रकाशन, दिल्ली

७. दलित विमर्श का सौंदर्यशास्त्र - शरणकुमार लिंबाले, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

८. नई सहस्त्राब्दी का दलित आंदोलन मिथक एवं यथार्थ - डॉ. वीरेंद्र सिंह यादव, ओमेगा पब्लिकेशन्स दिल्ली

९. हिंदी साहित्य का कतिपय विशिष्ट महिलाएँ एवं उनकी रचनाएँ - डॉ. देवकर्ण मौर्य, शैलजा प्रकाशन, कानपुर

अथवा

प्रश्नपत्र-८ - स्वातंत्र्योत्तर नाटक तथा एकांकी साहित्य

◆ **उद्देश्य :**

१. स्वातंत्र्योत्तर नाटक एवं रंगमंच का अध्ययन

२. नाट्यास्वाद तथा नाट्यालोचन संस्कार का विकास

◆ **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :**

१. व्याख्यान, चर्चा

२. प्रकल्प लेखन

३. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग

◆ **पाठ्यांश :**

१. स्वातंत्र्योत्तर नाटक एवं रंगमंच का विकासक्रम

२. आगरा बाजार : संवेदना और रंगशिल्प, स्वातंत्र्योत्तर नाटकों में हबीब तनवीर का योगदान

३. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटकों में महिला रचनाकारों का योगदान और मृदुला गर्ग का नाट्य साहित्य

४. जादू का कालीन : संवेदना और रंगशिल्प

५. हिंदी एकांकी साहित्य का विकासक्रम

६. महाभारत की एक साँझ, आप न बदलेंगे तथा अपहरण भाईचारे का शार्षित एकांकी का संवेदना और शिल्प की दृष्टि से अध्ययन

◆ **पाठ्यपुस्तकें :**

१. आगरा बाजार : हबीब तनवीर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

२. जादू का कालीन - मृदुला गर्ग, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

३. नाटक आज तक - सं. जी. भास्कर भैया, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
(अंधेर नगरी को छोड़कर शेष एकांकी)

◆ **संदर्भ ग्रंथ :**

१. भारतीय नाट्य परंपरा और रंगभूमि - डॉ. मदन मोहन भारद्वाज, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
२. प्रसादोत्तर हिंदी नाटक - डॉ. नवनीत चौहान, अस्थाना प्रकाशन, भोपाल
३. बीसवीं शती का हिंदी नाटक और रंगमंच - डॉ. गिरीश रस्तोगी, भारती ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली
४. हिंदी नाटक आज तक - डॉ. वीण गौतम, शब्दसेतु प्रकाशन, नई दिल्ली
५. रंग हबीब - डॉ. भारद्वाज भार्गव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
६. समकालीन रंगधर्मी नाटककार - लवकुमार लवलीन, विकास प्रकाशन, कानपुर

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

सेमिस्टर - I

प्रश्नपत्र - १ - आदि तथा मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास

◆	**प्रश्नपत्र का प्रारूप**	**अंक : ३०**
१.	पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित दीर्घोत्तरी प्रश्न	१०
२.	पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित लघुत्तरी प्रश्न	०५
३.	पाठ्यक्रम पर टिप्पणी (चार में से दो)	१०
४.	बहुविकल्पी वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पाँच)	०५
◆	**अंतर्गत मूल्यांकन :**	**अंक : २०**

प्रश्नपत्र - २ - भारतीय साहित्यशास्त्र

◆	**प्रश्नपत्र का प्रारूप**	**अंक : ३०**
१.	पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित दीर्घोत्तरी प्रश्न	१०
२.	पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित लघुत्तरी प्रश्न	०५
३.	पाठ्यक्रम पर टिप्पणी (चार में से दो)	१०
४.	बहुविकल्पी वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पाँच)	०५
◆	**अंतर्गत मूल्यांकन :**	**अंक : २०**

प्रश्नपत्र - ३ - भक्तिकालीन काव्य

◆	**प्रश्नपत्र का प्रारूप**	**अंक : ३०**
१.	पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित दीर्घोत्तरी प्रश्न	१०
२.	पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित लघुत्तरी प्रश्न	०५
३.	पाठ्यक्रम पर टिप्पणी (चार में से दो)	१०
४.	ससंदर्भ व्याख्या (दो में से एक)	०५
◆	**अंतर्गत मूल्यांकन :**	**अंक : २०**

प्रश्नपत्र - ४ - वैकल्पिक प्रश्नपत्र : साहित्य वर्ग

◆	**प्रश्नपत्र का प्रारूप**	**अंक : ३०**
१.	पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित दीर्घोत्तरी प्रश्न	१०
२.	पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित लघुत्तरी प्रश्न	०५
३.	पाठ्यक्रम पर टिप्पणी (चार में से दो)	१०
४.	संसदर्भ व्याख्या (दो में से एक)	०५
◆	**अंतर्गत मूल्यांकन :**	**अंक : २०**

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन
सेमिस्टर - II
प्रश्नपत्र - ५ - आधुनिक साहित्य का इतिहास

◆	**प्रश्नपत्र का प्रारूप**	**अंक : ३०**
१.	पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित दीर्घोत्तरी प्रश्न	१०
२.	पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित लघुत्तरी प्रश्न	०५
३.	पाठ्यक्रम पर टिप्पणी (चार में से दो)	१०
४.	बहुविकल्पी वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पाँच)	०५
◆	**अंतर्गत मूल्यांकन :**	**अंक : २०**

प्रश्नपत्र - ६ - पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

◆	**प्रश्नपत्र का प्रारूप**	**अंक : ३०**
१.	पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित दीर्घोत्तरी प्रश्न	१०
२.	पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित लघुत्तरी प्रश्न	०५
३.	पाठ्यक्रम पर टिप्पणी (चार में से दो)	१०
४.	बहुविकल्पी वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पाँच)	०५
◆	**अंतर्गत मूल्यांकन :**	**अंक : २०**

Dr. S.K. Bhandari

प्रश्नपत्र - ७ - रीतिकालीन काव्य

◆	**प्रश्नपत्र का प्रारूप**	**अंक : ३०**
१.	पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित दीर्घोत्तरी प्रश्न	१०
२.	पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित लघुत्तरी प्रश्न	०५
३.	पाठ्यक्रम पर टिप्पणी (चार में से दो)	१०
४.	ससंदर्भ व्याख्या (दो में से एक)	०५
◆	**अंतर्गत मूल्यांकन :**	**अंक : २०**

प्रश्नपत्र - ८ - वैकल्पिक प्रश्नपत्र : साहित्य वर्ग

◆	**प्रश्नपत्र का प्रारूप**	**अंक : ३०**
१.	पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित दीर्घोत्तरी प्रश्न	१०
२.	पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित लघुत्तरी प्रश्न	०५
३.	पाठ्यक्रम पर टिप्पणी (चार में से दो)	१०
४.	संसदर्भ व्याख्या (दो में से एक)	०५
◆	**अंतर्गत मूल्यांकन :**	**अंक : २०**

-=**=-

S*/-१४०५१३/-